दिल्ली के मेन्टोर नई भूमिका में-कोच, फेसिलेटर, लीडर

नई दिल्ली। दिल्ली शिक्षा विभाग के शिक्षकों में से चयनित मेन्टोर्स के लिए एस सी ई आर टी द्वारा अपने कैम्पस में 'कॉन्टिनुनियस प्रोफेशनल डेवलपमेंट' के तहत तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मेन्टोर अध्यापक की फेसिलेटर, लीडर और एक कोच के रूप में उनकी भूमिका उन्हें किन महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए, इसकी जानकारी साझा की गई। टाइम मैनेजमेंट, कक्षा में छात्रों तथा

अध्यापकों के साथ किये जाने वाले व्यवहार, उन्हें सुनने के लिए आवश्यक कौशलों तथा कक्षा शिक्षण को कैसे रोचक ढंग से प्रभावी बनाया जा सकता है पर विशेष रूप से चर्चा की गई जिन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी उन्हें आगे ले जाने के लिए कार्य आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा गया। 250 से अधिक मेन्टोर अध्यापकों को इस कार्यक्रम की बारीकियों को प्रतिभागियों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया समरीन भाटी, डा नीलकमल, सिद्धार्थ उपाध्याय, भावना, मालती, जागृति, शहनाज अफरोज आदि ने।

कार्यक्रम की कैंपस इंचार्ज स्वाति धनखड़ ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी बल्कि समय समय पर उनके बीच जाकर मेन्टोर अध्यापक के अनुभवों तथा सुझावों को सुना ताकि भविष्य में होने वाले कार्यक्रम को और बेहतर बनाया जा सके। एसटीएफ प्रमुख डी पी पाण्डेय ने कार्यक्रम में शामिल होकर अपने विचार साझा किए और भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता और उनमें सुधार के लिए सुझाव भी मांगे ताकि कार्यक्रमों को और बेहतर बनाया जा सके।